सफल PTM का आयोजन: एक मार्गदर्शिका (30 मई 2026)

थीम: मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक कल्याण — खुश बच्चा, स्वस्थ समाज की नींव है।

प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक, प्रारंभिक विद्यालय, बिहार सरकार।

https://teachersofbihar.org

सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य और पढ़ाई नहीं, अब ध्यान ‘मन’ पर

पारंपरिक दृष्टिकोण: अभी तक हमारा मुख्य ध्यान परीक्षा, ग्रेड, और शारीरिक उपस्थिति पर रहा है।

नया दृष्टिकोण (30 मई 2026 की थीम): शिक्षा विभाग का स्पष्ट निर्देश—बच्चे के अधिगम एवं विकास में मानसिक और भावनात्मक विकास को प्राथमिकता देना।

मुख्य लक्ष्य: बच्चों की मानसिक आवश्यकताओं के प्रति अभिभावकों को संवेदनशील बनाना और घर पर पढ़ने के लिए एक अनुकूल, प्रेमपूर्ण वातावरण तैयार करने के लिए प्रेरित करना।

https://teachersofbihar.org

कहानी ‘सूखा पौधा’: इसका उद्देश्य क्या है?

सूखा पौधा

डांट-फटकार

तुलना

समय न देना

हरा-भरा पौधा

प्यार

ध्यान से सुनना

प्रशंसा

- **कहानी का सार:** जिस तरह पानी और खाद के बिना एक पौधा सूख जाता है, ठीक वैसे ही प्यार, संवाद और समय के बिना बच्चा अंदर से कमज़ोर महसूस करता है।
- **भावनात्मक आवश्यकताएं:** बच्चों को केवल 'किताब' और 'स्कूल' नहीं, बल्कि 'भावनात्मक सहारे' की भी आवश्यकता होती है।
- **अभिभावकों के लिए संदेश:** बच्चों में खुशी, डर, गुस्सा और उदासी जैसी भावनाएं होती हैं। उनकी बात न सुनना, उन्हें डराना, या उनकी तुलनादूसरे बच्चों से करना उनके आत्मविश्वास को नष्ट कर देता है।

https://teachersofbihar.org

प्रधानाध्यापक का रोडमैप: सफल PTM के 3 महत्वपूर्ण चरण

चरण 1: PTM पूर्व (तैयारी)

विद्यालय स्तरीय योजना, सभी हितधारकों के साथ बैठक, बहु-माध्यमों से आमंत्रण, और विशेष परिवारों से व्यक्तिगत संपर्क।

चरण 2: PTM दिवस (आयोजन)

अभिभावकों का सम्मानपूर्वक स्वागत, वर्गवार सुचारू संचालन, कहानी-सत्र, और उत्कृष्ट प्रदर्शन का सम्मान।

चरण 3: PTM पश्चात (समीक्षा)

डेटा और फीडबैक अपलोड, अनुपस्थित अभिभावकों से पुनः संपर्क, और निर्णयों का विद्यालय स्तर पर अनुपालन।

https://teachersofbihar.org

चरण 1 – PTM पूर्व: मजबूत नींव तैयार करना

रणनीति एवं माध्यम

पूर्व बैठक: सभी शिक्षकों, बाल संसद, मीना मंच तथा SMC के साथ पूर्व बैठक आयोजित करना।

व्यवस्था: विद्यालय परिसर की स्वच्छता एवं बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करना तथा छात्र प्रगति रिपोर्ट तैयार करवाना।

बच्चों के माध्यम से पत्र	WhatsApp संदेश
माइकिंग	टोला संपर्क एवं SMC सहयोग

चरण 2 - PTM दिवस: स्वागत, संवाद और सम्मान

1. **स्वागत:** अभिभावकों का सम्मानपूर्वक स्वागत करना और उन्हें सहज माहौल प्रदान करना ताकि वे खुलकर बातचीत कर सकें।

2. **संचालन:** वर्गवार PTM और थीम आधारित गतिविधियों का समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करना।

3. **संवाद:** स्थानीय भाषा और सरल उदाहरणों में शिक्षकों द्वारा 'सूखा पौधा' कहानी सुनाना और उस पर चर्चा करना।

4. **प्रबंधन एवं सम्मान:** सुझाव एवं शिकायत पंजी संधारित करना और उत्कृष्ट छात्र/अभिभावक को सम्मानित करना।

चरण 3 - PTM पश्चात: निरंतरता बनाए रखना

डेटा प्रबंधन: राज्य स्तर से उपलब्ध कराए गए गूगल फॉर्म के माध्यम से **उपस्थिति** एवं **फीडबैक रिपोर्ट** अनिवार्य रूप से अपलोड करना।

पुन: संपर्क: कम उपस्थिति वाले या अराने गए गूगल फॉर्म के माध्यम से **उपस्थिति** एवं **फीडबैक रिपोर्ट** अनिवार्य रूप से अपलोड करना।

पारदर्शिता: विद्यालय सूचना पट पर प्रमुख निष्कर्ष और भविष्य के कदम प्रदर्शित करना।

कार्यान्वयन: PTM में लिए गए निर्णयों की अनुपालन कार्यवाही सुनिश्चित करना।

शिक्षकों के लिए निर्देश: अभिभावकों से संवाद कैसे करें?

कहानी सुनाने के बाद

इस कहानी से आप क्या समझे?

(उनके उत्तर ध्यान से सुनें और सराहें)

गहरी चर्चा

क्या हमारे बच्चों को पढ़ाई के अलावा भावनात्मक सहारे की जरूरत भी होती है?

मुख्य संदेश जो समझाना है

बच्चों को सिर्फ किताब और स्कूल नहीं, बल्कि प्यार की भी जरूरत होती है। रोज़ 10-15 मिनट बच्चों से बात ज़रूर करें। उनकी बातों को बीच में न काटें। छोटी उपलब्धियों की प्रशंसा करें।

https://teachersofbihar.org

घर पर पढ़ाई का उचित वातावरण: अभिभावकों के लिए 'पंचसूत्र'

1. पढ़ाई का कोना

घर में एक शांत कोना बनाएं और रोज़ कम से कम 1 घंटा बच्चे को वहाँ पढ़ने के लिए बैठाएं।

2. सस्वर पठन

रोज़ 15 से 20 मिनट बच्चों को बोल-बोलकर (सस्वर) पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

3. संवाद और समय

रोज़ 10-15 मिनट बच्चे से बात करें। मोबाइल और टीवी का समय सीमित कर उनके साथ समय बिताएं।

4. गृहकार्य पर चर्चा

रोज़ाना स्कूल डायरी, किताब, कॉपी का अवलोकन करें और विद्यालय से मिले होमवर्क पर चर्चा करें।

5. पोषण और दिनचर्या

बच्चे को पौष्टिक भोजन कराकर प्रतिदिन साफ-सुथरे यूनिफॉर्म में समय पर विद्यालय भेजें।

उत्कृष्टता को पहचानना: 'मंथ' के सर्वश्रेष्ठ का चयन

पैरेंट ऑफ द मंथ (चयन के आधार)

- ✅ बच्चे की नियमित उपस्थिति और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना।
- ✅ PTM और विद्यालय की अन्य गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता।
- ✅ घर पर पढ़ाई का सकारात्मक और शांतिपूर्ण माहौल प्रदान करना।
- ✅ विद्यालय को विशेष सहयोग प्रदान करना।

स्टूडेंट ऑफ द मंथ (चयन के आधार)

- ✅ कक्षा में बेहतर प्रदर्शन और शैक्षिक प्रगति।
- ✅ नियमितता (Regularity) और विद्यालय के नियमों का पालन।
- ✅ अनुशासन और सहपाठियों के साथ अच्छा व्यवहार।

‘क्या न करें’: बच्चों के आत्मविश्वास को टूटने से बचाएं

❌ **तुलना करना:** दूसरे बच्चों से तुलना न करें। हर बच्चा अलग होता है।

✅ **विकल्प:** बच्चे की पिछली उपलब्धियों से उसकी तुलना कर उत्साह बढ़ाएं।

❌ **डांट-फटकार:** बच्चों को डराने या अपमानित करने से बचें।

✅ **विकल्प:** गलतियों पर उन्हें प्यार से समझाएं, केवल डांटें नहीं।

❌ **नज़रअंदाज़ करना:** बच्चे की बातों को बीच में न काटें।

✅ **विकल्प:** उनकी भावनाओं को समझें, ध्यान से सुनें और स्वीकार करें।

छोटी-छोटी उपलब्धियों को प्रोत्साहित करें; यही उनके मानसिक स्वास्थ्य की खाद-पानी है।

https://teachersofbihar.org

हमारा सामूहिक संकल्प: एक सुरक्षित और खुशहाल बचपन के लिए

हम संकल्प लेते हैं कि...

हम अपने बच्चों को रोज़ नहा-धोकर, पौष्टिक भोजन कराकर साफ-सुथरे ड्रेस में विद्यालय भेजेंगे।

प्रतिदिन उन्हें घर पर पढ़ने के लिए कहेंगे तथा उनकी डायरी चेक करेंगे।

हम अपने बच्चों से प्यार और धैर्य से बात करेंगे, उनकी भावनाओं को समझेंगे, और दूसरे बच्चों से तुलना करने के बजाय उनका उत्साह बढ़ाएंगे।

सफलता का त्रिकोण: शिक्षक, अभिभावक और बच्चा

बच्चे के अधिगम और विकास की प्रक्रिया में विद्यालय और घर दोनों की समान जिम्मेदारी है।

जब शिक्षक का उचित मार्गदर्शन और माता-पिता का भवनात्मक सहयोग एक साथ मिलता है, तो 'सूखा पौधा' भी एक विशाल, फलदार वृक्ष बन जाता है।

राज्य का विज़न: सभी बच्चे आत्मविश्वास के साथ नियमित पढ़ाई करें और आने वाले समय में समाज के सक्रिय व स्वस्थ सदस्य बनें।

https://teachersofbihar.org

आइए, 30 मई 2026 को ऐतिहासिक बनाएं!

- सभी प्रारंभिक विद्यालयों में वर्गवार PTM का आयोजन सुनिश्चित करें।
- अधिक से अधिक अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

डेटा रिपोर्टिंग लिंक (Google Form):

https://docs.google.com/forms/d/1NhrpkgoG7QtIwnvYQzh6hcFjQ1Jv6b2IPA7FwCW3WFo/preview

(स्कैन करने के लिए QR कोड का उपयोग करें)

आपके सहयोग और समर्पण के लिए धन्यवाद!

Teachers of Bihar

The Change Makers

धन्यवाद

Publication: Teachers of Bihar

email: teachersofbihar@gmail.com

Developed By: P. K. Pankaj, Head Teacher,
P S Adalpur, Motipur, Muzaffarpur

Tob whatsapp Channel

https://whatsapp.com/channel/0029Va9AFpl65yD3brB8Sl17

Scan करें और जुड़ें